चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम...........दैनिक सवेरा...........

दिनांक 11.3.2021 पृष्ठ संख्या 3 कॉलम 2-3

हकृवि के वर्चुअल कृषि मेले में 51 हजार किसानों ने किया पंजीकरण

● दो दिवसीय वर्चुअल खरीफ के कृषि मेले का हुआ समापन

मेले के समापन अवसर पर ऑनलाइन रूप से संबोधित करते मुख्यातिथि डॉ. आर.सी. अग्रवाल व मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

हिसार, 10 मार्च (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वर्चुअल खरीफ के कृषि मेला का बुधवार को समापन हुआ। इस मेले में 51 हजार किसानों ने पंजीकरण कर अपनी भागीदारी दिखा दी है। मेले के समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने कहा कि गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को जल संरक्षण व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी वहीं दूसरी ओर किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। सिंह ने मुख्यातिथि का कार्यक्रम में ऑनलाइन रूप से शामिल होने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मेले के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे फसल विविधिकरण का अपनाकर न केवल अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं बल्कि भूमि की उर्वरा शक्ति को भी बचा सकते हैं। किसानों को कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली फसलों को उगाना होगा, इसके लिए वे लगातार विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के संपर्क में रहें और यहां से विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों को अपनाएं। इस बार मेले में करीब 51 हजार लोगों ने मोबाइल फोन के माध्यम से पंजीकरण करवाया। इसके अलावा करीब 3 लाख लोगों ने विश्वविद्यालय की साइट पर विजिट किया। मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि इस मेले के सफल आयोजन में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा सरकार, इंडियन पोस्ट पेमेंट बैंक, हरियाणा कानूनी सहायता सहायता एजेंसी, हरियाणा व जिला प्रशासन का विशेष सहयोग रहा। उन्होंने सभी मुख्यातिथियों, वैज्ञानिकों, किसानों व अन्य सभी प्रतिभागियों का जो इस मेले में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हुए, सभी का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........
दिनांक 11.3.2021 पृष्ठ संख्या 7 कॉलम 7-8

किसान मनोहरलाल को सम्मानित करते डॉ. नरेंद्र कुमार।

'प्रगतिशील किसान मनोहरलाल यादव सम्मानित'

मंडी आदमपुर, 10 मार्च (पंकेस): गांव सदलपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में 2 दिवसीय वर्चुअल किसान मेले का शुभारंभ किया गया।

इस दौरान एच.ए.यू. हिसार के कुलपति एवं विस्तार शिक्षा निदेशक ने किसानों को आनलाइन संबोधित किया तथा फसल विविधकरण करके अपनी आमदनी दुगनी करने का आह्वान किया। इस दौरान केंद्र के को-ऑर्डिनेटर डॉ.नरेंद्र कुमार ने प्रगतिशील गांव सीसवाल निवासी किसान मनोहर लाल यादव को बागवानी एवं नर्सरी प्रबंधन में उत्कृष्ठ व उल्लेखनीय कार्य के लिए जिला हिसार के प्रगतिशील किसान सम्मान से सम्मानित किया गया।

मनोहर लाल यादव ने राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड के तहत फलदार पौधों की हाईटैक नर्सरी तैयार कर रखी है, जिसमें अमरुद की हिसार सफेदा किस्म की 2 लाख पौध के अलावा नींबू, किन्नू, बेर, आलू बुखारा व अंगूर आदि की पौध बिक्री के लिए तैयार कर रखी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक जा. 11/3/2021....

दिनांक 11.3.2021....पृष्ठ संख्या....3....कॉलम....3-6....

विज्ञानियों का सुझाव : कम भूमि पर अधिक मुनाफे वाली फसलों को किसान दें तवज्जो

फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए दिए टिप्स

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) के दूसरे दिन खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने पर वेबिनार आयोजित हुआ। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श सेवा) डा. सुनील ढांडा ने वेबिनार के दौरान सत्र का संचालन किया। वेबिनार में विज्ञानियों ने किसानों को खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने के तौर तरीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मेले के थीम जिसका मुख्य विषय फसल विविधिकरण था, जिसकी अध्यक्षता सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. एसके ठकराल ने की। सब्जी विज्ञान विभाग से विभागाध्यक्ष डा. एके भाटिया ने सब्जी वाली फसलों के द्वारा फसल विविधिकरण किया जा सकता है। जिससे किसानों को कम भूमि से ज्यादा मुनाफा मिलेगा। प्रो. बिजेंदर बैनीवाल ने फूलों की खेती द्वारा किसानों को फसल विविधिकरण के बारे में बताया। कृषि विज्ञान केंद्र के भूतपूर्व वरिष्ठ संयोजक डा. हरिओम ने कई उन्नतशील किसानों के उदाहरण देकर समझाया कि किस प्रकार धान-गेहूं के फसल चक्र को तोड़कर किसान दलहनी व तिलहनी फसलों द्वारा, अंतः फसलीकरण द्वारा, जैविक खेती द्वारा, सब्जी की खेती द्वारा, सब्जी की नर्सरी द्वारा फसलों के विविधिकरण से पर्यावरण और पूरी खेती को आने वाले समय के खतरों जैसे मिट्टी की घटती उर्वरा शक्ति व घटते भूजल स्तर आदि से बचा सकते हैं।

इन विषयों पर आयोजित हुए वेबिनार : इस दौरान आयोजित वेबिनारों में कृषि में विविधिकरण, धान की सीधी बिजाई की उत्पादन तकनीक व खरीफ फसलों में खरपतवार नियंत्रण, खरीफ फसलों की उत्पादन तकनीक, किसानों के साथ ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी सभा, कृषि में उधमित्ता विकास, डेयरी फार्मिंग में संतुलित आहार का महत्व, डेयरी फार्मिंग में रोग की रोकथाम व उपचार का महत्त्व व किसान हित के लिए कृषि कानून आदि विषयों को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

किसानों ने पूछे सवाल : वेबिनार के समापन अवसर पर किसान और विज्ञानियों के बीच सवाल-जवाब हुए जिनमें विज्ञानियों ने किसानों के विभिन्न प्रश्नों के जवाब देते हुए उनकी समस्याओं को दूर किया।

सूत्र कृमि विभाग के विभागाध्यक्ष डा. आरएस कंवर ने फसलों में सूत्र कृमि संबंधी प्रश्नों के उत्तर दिए और डा. अनिल यादव ने बाजरा फसल सम्बंधी व डा. विरेंद्र सिंह हुड्डा ने फसलों में खरपतवार नियंत्रण सम्बंधी प्रश्नों के उत्तर दिए।

कृषि मेला संपन्न, 51 हजार किसान जुड़े

मेले के समापन अवसर पर ऑनलाइन रूप से संबोधित करते मुख्यातिथि डा. आर.सी. अग्रवाल व मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। ● पीआरओ

जागरण संवाददाता, हिसार : गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को जल संरक्षण व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी।

वहीं, किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। ये विचार मेले के समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक डा. आरसी अग्रवाल ने बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। कुलपति प्रो. समर सिंह ने की। मुख्यातिथि ने कहा कि हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है। अस्तित्व में आने के बाद प्रमुख फसलों के क्षेत्र एवं पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

अधिक मुनाफा देने वाली फसलें उगाएं किसान

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का कार्यक्रम में ऑनलाइन रूप से शामिल होने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मेले के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे फसल विविधिकरण का अपनाकर न केवल अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली फसलों को उगाना होगा। वे विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के संपर्क में रहें और यहां से विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों को अपनाएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 11.3.2021...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....3-5.....

कृषि मेला

एचएयू के दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले (खरीफ) का समापन

'हरित क्रांति से प्राकृतिक संसाधनों का दोहन बढ़ा'

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरित क्रांति आने के बाद फसलों की पैदावार बढ़ने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का दोहन भी बढ़ा है। इस कारण भूमिगत जल स्तर की कमी, अत्यधिक कीटनाशकों एवं रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग, जमीन की उर्वरा शक्ति का कम होना, फसल अवशेषों का जलाना आदि अनेक समस्याएं उत्पन्न हुई हैं।

इसके अलावा धान-गेहूं फसल चक्र के कारण भूमिगत जल स्तर गिरता जा रहा है, जो चिंता का विषय है। अब प्राकृतिक संसाधनों के दोहन का रोकना जरूरी है। इसके लिए किसानों को विविधीकरण अपनाना होगा। ये विचार मेले के समापन पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आरसी अग्रवाल ने बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने की।

एचएयू में आयोजित वर्चुअल कृषि मेले के दौरान मौजूद अधिकारी। अमर उजाला

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 11.3.2021...पृष्ठ संख्या....2............कॉलम.....3-6.........

एचएयू के वर्चुअल कृषि मेले का समापन, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप-महानिदेशक ने दिए सुझाव

जल संरक्षण व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान

भास्कर न्यूज़ | हिसार

गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को जल संरक्षण व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी वहीं दूसरी ओर किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

ये विचार मेले के समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। मुख्यातिथि ने कहा कि हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है तथा इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर करती है। हरियाणा प्रदेश के अलग से अस्तित्व में आने के बाद प्रमुख फसलों के क्षेत्र एवं पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह सब किसानों एवं वैज्ञानिकों के सामूहिक प्रयास से ही सम्भव हो पाया है। मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. कृष्ण यादव ने भी संबोधित किया।

वहीं एचएयू के वर्चुअल कृषि मेले के दूसरे दिन खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने व अन्य विषयों को लेकर आयोजित वेबिनार आयोजित किए गए। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श सेवा) डॉ. सुनील ढांडा ने वेबिनार के दौरान सत्र का संचालन किया। इस दौरान वेबिनार में कृषि में विविधिकरण, धान की सीधी बिजाई की उत्पादन तकनीक, खरीफ फसलों में खरपतवार नियंत्रण आदि पर चर्चा हुई।

मेले के समापन पर ऑनलाइन संबोधित करते मुख्यातिथि डॉ. आरसी अग्रवाल व मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

मेले के समापन अवसर पर विवि के कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, लुवास के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. धर्मबीर सिंह सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, प्रशासनिक अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष, सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज मौजूद थे।

कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली फसलें उगाएं किसान : प्रो. समर सिंह

विवि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे फसल विविधिकरण का अपनाकर न केवल अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं बल्कि भूमि की उर्वरा शक्ति को भी बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली फसलों को उगाना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....पाठक पक्ष....

दिनांक .10...3..2021...पृष्ठ संख्या........—........कॉलम........—........

कुलपति प्रो. समर सिंह की प्रदेश के किसानों से मार्मिक अ

अन्नदाता अमूल्य अन्न को कदापि नष्ट न करें

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 10 मार्च (देवेन्द्र यल) : चौधरी चरण सिंह रियाणा कृषि विश्वविद्यालय के लपति प्रो. समर सिंह ने किसानों से वुक अपील की है कि वे "फसलों कदापि नष्ट न करें, क्योंकि अन्न एक-एक दाना अमूल्य है, जिसे नदाता अपने खून-पसीने से पैदा ते हैं। अन्न का प्रत्येक दाना किसी ी के मुंह में जाना चाहिए। देश में भी लोग हैं जिन्हें भर पेट खाना मिलता या केवल एक समय नता है। इसलिए फसल नष्ट करना ानों के लिए अच्छी बात नहीं ' ये शब्द आज इस संवाददाता ातचीत करते हुए प्रो. समर सिंह हे। उन्होंने कहा कि शहरीकरण

परंतु प्रति एकड़ उत्पादन बढ़ाना जहां अनिवार्य है, वहां किसानों व कृषि वैज्ञानिकों के लिए एक चुनौती भी है। फसलों का विविधिकरण, ड्रिप सिंचाई तथा बागवानी आदि समय की मांग है। डॉ. समर सिंह ने बताया कि अकेला हरियाणा प्रदेश देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन करता है, जबकि कुल चावल उत्पादन में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। दलहन व तिलहनी फसलों में बढ़ते उत्पादन को लेकर भी विश्वविद्यालय ने अपनी अलग पहचान बनाई है। विश्वविद्यालय में बाजरे की 21, जौ की 8 किस्में, मक्का की 15, दलहन की 36, तिलहन की 29, कपास की 24, चारा की 34 ...

विकसित की हैं। इनके अलावा बहुत सी ऐसी किस्मों पर काम चल रहा है जो भविष्य में किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद साबित होंगी। चावल की 12 किस्में विकसित की गई हैं, जिनमें 11 किस्मों को प्रदेश व 1 किस्म को देशभर के लिए जारी किया गया है। विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों की 250 नई व उन्नत किस्में विकसित की हैं जो रोग प्रतिरोधी व अधिक पैदावार देने वाली हैं। अब तक 533 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमओयू साइन हो चुके हैं। खेती से जुड़ी समस्याओं के निदान के लिए विश्वविद्यालय की नि:शुल्क

किसान लाभ उठा रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन हर समय शिक्षक व गैर-शिक्षक कर्मचारियों की हर समस्या के समाधान के लिए तैयार हैं। अगर किसी भी कर्मचारी की तर्कसंगत कोई समस्या है तो प्रशासन उसे प्राथमिकता के साथ हल करने के लिए तैयार रहता है। उन्होंने कहा कि किसानों से निवेदन है कि वे अधिक से अधिक संख्या में विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर यहां से विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों का फायदा उठाएं ताकि वे आर्थिक रूप से ओर अधिक समृद्ध हो सकें। वैज्ञानिक भी ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय की नई-नई

मिल सके। कुलपति ने वैज्ञानिकों से कहा है कि वे किसानों की समस्याओं को हल करने को प्राथमिकता दें। तथा किसान भी विश्वविद्यालय के अनुसंधान का लाभ उठाएं और यहां से ट्रेनिंग लेकर अपने खेतों में जाएं। उन्होंने बताया कि वर्चुअल किसान मेला बहुत कामयाब रहा है। कृषक इसमें प्रश्न भी पूछ सकते हैं। इस बार भी 50 हजार से ज्यादा किसान इसके लिए रजिस्ट्रेशन कर चुके हैं और लगभग 1.75 लाख किसानों ने विश्वविद्यालय की साइट को विजिट किया है। किसान अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए परम्परागत फसलों को छोड़कर दूसरी फसलें लगाएं जिससे

कुलपति प्रो. समर सिंह

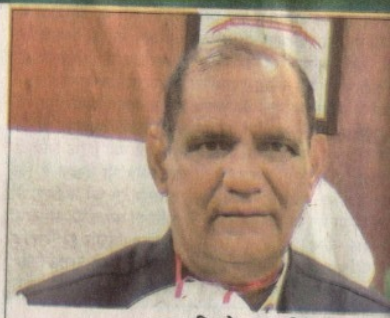

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इसलिए क्वालिटी फूड

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 11.3.2021....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....7-8.....

मेले के समापन अवसर पर ऑनलाइन संबोधित करते मुख्यातिथि डॉ. आर.सी. अग्रवाल व मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति व अन्य।

'जल संरक्षण व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान : डॉ. अग्रवाल'

हिसार, 10 मार्च (पंकेस): गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को जल संरक्षण व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी वहीं दूसरी ओर किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

ये विचार मेले के समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। मुख्यातिथि ने कहा कि हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है तथा इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर करती है।

हरियाणा प्रदेश के अलग से अस्तित्व में आने के बाद प्रमुख फसलों के क्षेत्र एवं पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह सब किसानों एवं वैज्ञानिकों के सामूहिक प्रयास से ही सम्भव हो पाया है। हरित क्रांति आने के बाद फसलों की पैदावार बढ़ने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का दोहन भी बढ़ा है, जिसके कारण भूमिगत जल स्तर की कमी, अत्यधिक कीटनाशकों एवं रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग, जमीन की उर्वरा शक्ति का कम होना, फसल अवशेषों का जलाना आदि अनेक समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। इसके अलावा धान-गेहूं फसल चक्र के कारण भूमिगत जल स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है जो कि चिन्ता का विषय है।

इस फसल चक्र के कारण हरियाणा के अधिकतर क्षेत्र डार्क जोन में परिवर्तित हो रहे हैं। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए किसानों से आह्वान है कि वे धान-गेहूं फसल चक्र में बदलाव करके फसल विविधीकरण अपनाएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	10.03.2021	--	--

कृषि मेले में किसानों को फसलों की पैदावार बढ़ाने के दिए वैज्ञानिक सुझाव

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मेा(खरीफ) के दूसरे दिन खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने व अन्य विषयों को लेकर आयोजित वेबिनार आयोजित किए गए। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श सेवा) डॉ. सुनील ढांडा ने वेबिनार के दौरान सत्र का संचालन किया। वेबिनार में वैज्ञानिकों ने किसानों को खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने के तौर तरीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

मेले के थीम जिसका मुख्य विषय फसल विविधिकरण था, जिसकी अध्यक्षता सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा.एस. के ठकराल ने की। सब्जी विज्ञान विभाग से विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. भाटिया ने सब्जी वाली फसलों के द्वारा फसल विविधिकरण किया जा सकता है जिससे किसानों को कम भूमि से ज्यादा मुनाफा मिलेगा। प्रोफेसर बिजेंदर बैनीवाल ने फूलों की खेती द्वारा किसानों को फसल विविधिकरण के बारे में अवगत कराया। कृषि विज्ञान केंद्र के भूतपूर्व वरिष्ठ संयोजक डॉ. हरिओम ने कई उन्नतशील किसानों के उदाहरण देकर समझाया कि किस प्रकार धान-गेहूं के फसल चक्र को तोड़कर किसान दलहनी व तिलहनी फसलों द्वारा, अंत- फसलीकरण द्वारा, जैविक खेती द्वारा, सब्जी की खेती द्वारा, सब्जी की नर्सरी द्वारा फसलों के विविधिकरण से पर्यावरण और पूरी खेती को आने वाले समय के खतरों जैसे मिट्टी की घटती उर्वरा शक्ति व घटते भूजल स्तर आदि से बचा सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....एच आर ब्रेकिंग.....

दिनांक ..10:3:2021...पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

एचएयू वर्चुअल कृषि मेले में किसानों को फसलों की पैदावार बढ़ाने के दिए वैज्ञानिक सुझाव

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मेा(खरीफ) के दूसरे दिन खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने व अन्य विषयों को लेकर आयोजित वेबिनार आयोजित किए गए। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श सेवा) डॉ. सुनील ढांडा ने वेबिनार के दौरान सत्र का संचालन किया। वेबिनार में वैज्ञानिकों ने किसानों को खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने के तौर तरीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

मेले के थीम जिसका मुख्य विषय फसल विविधिकरण था, जिसकी अध्यक्षता सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा.एस. के ठकराल ने की। सब्जी विज्ञान विभाग से विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. भाटिया ने सब्जी वाली फसलों के द्वारा फसल विविधिकरण किया जा सकता है जिससे किसानों को कम भूमि से ज्यादा मुनाफा मिलेगा। प्रोफेसर बिजेंदर बैनीवाल ने फूलों की खेती द्वारा किसानों को फसल विविधिकरण के बारे में अवगत कराया। कृषि विज्ञान केंद्र के भूतपूर्व वरिष्ठ संयोजक डॉ. हरिओम ने कई उन्नतशील किसानों के उदाहरण देकर समझाया कि किस प्रकार धान-गेहूं के फसल चक्र को तोड़कर किसान दलहनी व तिलहनी फसलों द्वारा, अंतः फसलीकरण द्वारा, जैविक खेती द्वारा, सब्जी की खेती द्वारा, सब्जी की नर्सरी द्वारा फसलों के विविधिकरण से पर्यावरण और पूरी खेती को आने वाले समय के खतरों जैसे मिट्टी की घटती उर्वरा शक्ति व घटते भूजल स्तर आदि से बचा सकते हैं।

वेबिनार के दौरान संबोधित करते वैज्ञानिक।

धान की सीधी बिजाई है कारगर : डॉ. एस.एस. पूनियां : सस्य विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. एस.एस. पूनिया ने धान की सीधी बिजाई एवं खरीफ फसलों में खरपतवार नियन्त्रण विषय पर बताया कि धान की सीधी बिजाई से समय पर एवं सस्ती लेबर ना मिलने की समस्या से निजात मिल सकती है। धान की सीधी बिजाई से पानी की बचत भी होती है और सही तरह से फसल की देखभाल करने से पैदावार में कमी भी नहीं आती। धान की सीधी बिजाई की सभी तकनीकों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया और धान की सीधी बिजाई में सफलतापूर्वक खरपतवार नियंत्रण की सभी बातों को बारीकी से समझाया।

इन विषयों पर आयोजित हुए वेबिनार

इस दौरान आयोजित वेबिनारों में कृषि में विविधिकरण, धान की सीधी बिजाई की उत्पादन तकनीक व खरीफ फसलों में खरपतवार नियंत्रण, खरीफ फसलों की उत्पादन तकनीक, किसानों के साथ ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी सभा, कृषि में उद्यमिता विकास, डेयरी फार्मिंग में संतुलित आहार का महत्व, डेयरी फार्मिंग में रोग की रोकथाम व उपचार का महत्व व किसान हित के लिए कृषि कानून आदि विषयों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। वेबिनार के समापन अवसर पर किसान और वैज्ञानिकों के बीच सवाल-जवाब हुए जिनमें वैज्ञानिकों ने किसानों के विभिन्न प्रश्नों के जवाब देते हुए उनकी समस्याओं को दूर किया। सूत्र कृमि विभाग के विभागाध्यक्ष डा. आर. एस. कंवर ने फसलों में सूत्र कृमि संबंधी प्रश्नों के उत्तर दिए और डॉ. अनिल यादव ने बाजरा फसल सम्बंधी व डॉ. विरेंद्र सिंह हुड्डा ने फसलों में खरपतवार नियंत्रण सम्बंधी प्रश्नों के उत्तर दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाँच बजे	10.03.2021	--	--

एचएयू वर्चुअल कृषि मेले में किसानों को फसलों की पैदावार बढ़ाने के दिए वैज्ञानिक सुझाव

फसल विविधिकरण से किसानों को कम भूमि से ज्यादा मुनाफा मिलेगा : डा. भाटिया

पांच बजे ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मेले (खरीफ) के दूसरे दिन खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने व अन्य विषयों को लेकर आयोजित वेबिनार आयोजित किए गए। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श सेवा) डॉ. सुनील दाहिया ने वेबिनार के दौरान सत्र का संचालन किया। वेबिनार में वैज्ञानिकों ने किसानों को खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने के तौर तरीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मेले के थीम जिसका मुख्य विषय फसल विविधिकरण था, जिसकी अध्यक्षता सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा.एस. के ठकराल ने की। सब्जी विज्ञान विभाग से विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. भाटिया ने बताया कि सब्जी वाली फसलों के द्वारा फसल विविधिकरण किया जा सकता है जिससे किसानों को कम भूमि से ज्यादा मुनाफा मिलेगा। प्रोफेसर विजेंदर बेनीवाल ने फूलों की खेती द्वारा किसानों को फसल विविधिकरण के बारे में अवगत कराया। कृषि विज्ञान केंद्र के भूतपूर्व वरिष्ठ संयोजक

डॉ. हरिओम ने कई उन्नतशील किसानों के उदाहरण देकर समझाया कि किस प्रकार धान-गेहूं के फसल चक्र को तोड़कर किसान दलहनी व तिलहनी फसलों द्वारा, अंतः फसलीकरण द्वारा, जैविक खेती द्वारा, सब्जी की खेती द्वारा, सब्जी की नर्सरी द्वारा फसलों के विविधिकरण से पर्यावरण और पूरी खेती को आने वाले समय के खतरों जैसे मिट्टी की घटती उर्वरा शक्ति व घटते भूजल स्तर आदि से बचा सकते हैं।

धान की सीधी बिजाई है कारगर : डॉ. एस.एस. पूनिया

सस्य विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. एस.एस. पूनिया ने धान की सीधी बिजाई एवं खरीफ फसलों में खरपतवार नियन्त्रण विषय पर बताया कि धान की सीधी बिजाई से समय पर एवं सस्ती लेबर ना मिलने की समस्या से निजात मिल सकती है। धान की सीधी बिजाई से पानी की बचत भी होती है और सही तरह से फसल की देखभाल करने से पैदावार में कमी भी नहीं आती। धान की सीधी बिजाई की सभी तकनीकों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया और धान की सीधी बिजाई में सफलतापूर्वक खरपतवार नियंत्रण की सभी बातों को बारीकी से समझाया। साथ ही सभी खरीफ फसलों में खरपतवार नियन्त्रण की नवीनतम जानकारी दी। सहायक वैज्ञानिक डॉ. करमल सिंह ने कपास फसल की विभिन्न सस्य क्रियाओं के बारे में जानकारी दी एवं डा. अनिल कुमार ने विभिन्न कीटों और विभिन्न बिमारियों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। डा. उमा देवी ने खरीफ की दलहनी फसलों की विभिन्न सस्य क्रियाओं के बारे में और डॉ. सतपाल ने खरीफ की चारा फसलों क बारे में बताया।

इन विषयों पर आयोजित हुए वेबिनार

इस दौरान आयोजित वेबिनारों में कृषि में विविधिकरण, धान की सीधी बिजाई की उत्पादन तकनीक व खरीफ फसलों में खरपतवार नियंत्रण, खरीफ फसलों की उत्पादन तकनीक, किसानों के साथ ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी सभा, कृषि में उद्यमिता विकास, डेयरी फार्मिंग में संतुलित आहार का महत्व, डेयरी फार्मिंग में रोग की रोकथाम व उपचार का महत्व व किसान हित के लिए कृषि कानून आदि विषयों को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

वेबिनार के समापन अवसर पर किसान और वैज्ञानिकों के बीच सवाल-जवाब हुए जिनमें वैज्ञानिकों ने किसानों के विभिन्न प्रश्नों के जवाब देते हुए उनकी समस्याओं को दूर किया। सूत्र कृषि विभाग के विभागाध्यक्ष डा. आर. एस. कंवर ने फसलों में सूत्र कृमि संबंधी प्रश्नों के उत्तर दिए और डॉ. अनिल यादव ने बाजरा फसल सम्बंधी व डॉ. विरेंद्र सिंह हुड्डा ने फसलों में खरपतवार नियंत्रण सम्बंधी प्रश्नों के उत्तर दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा टुडे	10.03.2021	--	--

जल संरक्षण व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान : डॉ. अग्रवाल

एचएयू के दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले (खरीफ) का समापन, करीब 51 हजार किसानों ने किया पंजीकरण

टुडे न्यूज | हिसार

गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को जल संरक्षण व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी वहीं दूसरी ओर किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। ये विचार मेले के समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। मुख्यातिथि ने कहा कि हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है तथा इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर करती है। हरियाणा प्रदेश के अलग से अस्तित्व में आने के बाद प्रमुख फसलों के क्षेत्र एवं पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह सब किसानों एवं वैज्ञानिकों के सामूहिक प्रयास से ही सम्भव हो पाया है। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए किसानों से आह्वान है कि वे धान-गेहूं फसल चक्र में बदलाव करके फसल विविधिकरण अपनाएं। मुख्यातिथि ने मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ-साथ किसानों, विस्तार एजेंसियों तथा अन्य कृषि विकास में भागीदार संस्थाओं को बधाई दी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का कार्यक्रम में ऑनलाइन रूप से शामिल होने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मेले के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे फसल विविधिकरण का अपनाकर न केवल अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं बल्कि भूमि की उर्वरा शक्ति को भी बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली फसलों को उगाना होगा, इसके लिए वे लगातार विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के संपर्क में रहें और यहां से विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों को अपनाएं। उन्होंने बताया कि इस बार मेले में करीब 51 हजार लोगों ने मोबाइल फोन के माध्यम से पंजीकरण करवाया। इसके अलावा करीब 3 लाख लोगों ने विश्वविद्यालय की साइट पर विजिट किया। कुलपति महोदय ने किसानों से अपील की कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर के बाजार को ध्यान में रखकर फसलों का उत्पादन करें व गुणवत्ता का ध्यान रखें ताकि उनको फसल का उचित मूल्य मिल सके और उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हो सके जिसके लिए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी भी निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ऐसी किस्में विकसित करें जिनमें पोषक तत्व अधिक से अधिक हों। मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि इस मेले के सफल आयोजन में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा सरकार, इंडियन पोस्ट पेमेंट बैंक, हरियाणा कानूनी सहायता सहायता एजेंसी, हरियाणा व जिला प्रशासन का विशेष सहयोग रहा। उन्होंने सभी मुख्यातिथियों, वैज्ञानिकों, किसानों व अन्य सभी प्रतिभागियों का जो इस मेले में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हुए, सभी का धन्यवाद किया।

मेले के समापन अवसर पर ऑनलाइन रूप से संबोधित करते मुख्यातिथि डॉ. आर.सी. अग्रवाल व मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

ये भी रहे कार्यक्रम में मौजूद

वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, लुवास के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. धर्मबीर सिंह सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, प्रशासनिक अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष, सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	10.03.2021	--	--

एचएयू वर्चुअल कृषि मेले में किसानों को फसलों की पैदावार बढ़ाने के दिए वैज्ञानिक सुझाव

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मेा(खरीफ) के दूसरे दिन खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने व अन्य विषयों को लेकर आयोजित वेबिनार आयोजित किए गए। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श सेवा) डॉ. सुनील ढांडा ने वेबिनार के दौरान सत्र का संचालन किया। वेबिनार में वैज्ञानिकों ने किसानों को खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने के तौर तरीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मेले के थीम जिसका मुख्य विषय फसल विविधिकरण था, जिसकी अध्यक्षता सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा.एस. के ठकराल ने की। सब्जी विज्ञान विभाग से विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. भाटिया ने सब्जी वाली फसलों के द्वारा फसल विविधिकरण किया जा सकता है जिससे किसानों को कम भूमि से ज्यादा मुनाफा मिलेगा। प्रोफेसर बिजेंदर बैनीवाल ने फूलों की खेती द्वारा किसानों को फसल विविधिकरण के बारे में अवगत कराया। कृषि विज्ञान केंद्र के भूतपूर्व वरिष्ठ संयोजक डॉ. हरिओम ने कई उन्नतशील किसानों के उदाहरण देकर समझाया कि किस प्रकार धान-गेहूं के फसल चक्र को तोडकर किसान दलहनी व तिलहनी फसलों द्वारा, अंतः फसलीकरण द्वारा, जैविक खेती द्वारा, सब्जी की खेती द्वारा, सब्जी की नर्सरी द्वारा फसलों के विविधिकरण से पर्यावरण और पूरी खेती को आने वाले समय के खतरों जैसे मिट्टी की घटती उर्वरा शक्ति व घटते भूजल स्तर आदि से बचा सकते हैं।

वेबिनार के दौरान संबोधित करते वैज्ञानिक।

धान की सीधी बिजाई है कारगर : डॉ. एस.एस. पूनियां

सस्य विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. एस.एस. पूनिया ने धान की सीधी बिजाई एवं खरीफ फसलों में खरपतवार नियन्त्रण विषय पर बताया कि धान की सीधी बिजाई से समय पर एवं सस्ती लेबर ना मिलने की समस्या से निजात मिल सकती है। धान की सीधी बिजाई से पानी की बचत भी होती है और सही तरह से फसल की देखभाल करने से पैदावार में कमी भी नहीं आती। धान की सीधी बिजाई की सभी तकनीकों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया और धान की सीधी बिजाई में सफलतापूर्वक खरपतवार नियंत्रण की सभी बातों को बारीकी से समझाया। साथ ही सभी खरीफ फसलों में खरपतवार नियन्त्रण की नवीनतम जानकारी दी। सहायक वैज्ञानिक डॉ. करमल सिंह ने कपास फसल की विभिन्न सस्य क्रियाओं के बारे में जानकारी दी एवं डा. अनिल कुमार ने विभिन्न कीटों और विभिन्न बिमारियों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एच आर ब्रेकिंग	10.03.2021	--	--

जल संरक्षण व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान : डॉ. आर.सी. अग्रवाल

एचएयू के दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले(खरीफ) का समापन, करीब 51 हजार किसानों ने किया पंजीकरण

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को जल संरक्षण व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी वहीं दूसरी ओर किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। ये विचार मेले के समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। मुख्यातिथि ने कहा कि हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है तथा इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर करती है। हरियाणा प्रदेश के अलग से अस्तित्व में आने के बाद प्रमुख फसलों के क्षेत्र एवं पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह सब किसानों एवं वैज्ञानिकों के सामूहिक प्रयास से ही सम्भव हो पाया है। हरित क्रांति आने के बाद फसलों की पैदावार बढने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का दोहन भी बढ़ा है जिसके कारण भूमिगत जल स्तर की कमी, अत्यधिक कीटनाशकों एवं रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग, जमीन की उर्वरा शक्ति का कम होना, फसल अवशेषों का जलाना आदि अनेक समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। इसके अलावा धान-गेहूं फसल चक्र के कारण भूमिगत जल स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है जो कि चिन्ता का विषय है। इस फसल चक्र के कारण हरियाणा के अधिकतर क्षेत्र डार्क जोन में परिवर्तित हो रहे हैं। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए किसानों से आह्वान है कि वे धान-गेहूं फसल चक्र में बदलाव करके फसल विविधिकरण अपनाएं। मुख्यातिथि ने मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ-साथ किसानों, विस्तार एजेंसियों तथा अन्य कृषि विकास में भागीदार संस्थाओं को बधाई दी।

मेले के समापन अवसर पर ऑनलाइन रुप से संबोधित करते मुख्यातिथि डॉ. आर.सी. अग्रवाल व मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

ये भी रहे कार्यक्रम में मौजूद : वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. वी.आर. कंबोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, लुधास के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. धर्मबीर सिंह सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, प्रशासनिक अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष, सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज मौजूद थे।

कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली फसलें उगाएं किसान : प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का कार्यक्रम में ऑनलाइन रूप से शामिल होने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मेले के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे फसल विविधिकरण का अपनाकर न केवल अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं बल्कि भूमि की उर्वरा शक्ति को भी बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली फसलों को उगाना होगा, इसके लिए वे लगातार विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के संपर्क में रहें और यहां से विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों को अपनाएं। उन्होंने बताया कि इस बार मेले में करीब 51 हजार लोगों ने मोबाइल फोन के माध्यम से पंजीकरण करवाया। इसके अलावा करीब 3 लाख लोगों ने विश्वविद्यालय की साइट पर विजिट किया। कुलपति महोदय ने किसानों से अपील की कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर के बाजार को ध्यान में रखकर फसलों का उत्पादन करें व गुणवत्ता का ध्यान रखें ताकि उनको फसल का उचित मूल्य मिल सके और उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हो सके जिसके लिए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी भी निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ऐसी किस्में विकसित करें जिनमें पोषक तत्व अधिक से अधिक हों।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	10.03.2021	--	--

कृषि मेला : खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने की जानकारी दी वैज्ञानिकों ने

हिसार/10 मार्च/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) के दूसरे दिन विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श सेवा) डॉ. सुनील ढांडा के संचालन में खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने व अन्य विषयों को लेकर वैज्ञानिकों ने जानकारी दी। मेले के थीम का मुख्य विषय फसल विविधिकरण रहा जिसकी अध्यक्षता सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एसके ठकराल ने की। सब्जी विज्ञान विभाग से विभागाध्यक्ष डॉ. एके भाटिया ने बताया कि कैसे सब्जी वाली फसलों से फसल विविधिकरण किया जा सकता है। प्रोफेसर बिजेंदर बैनीवाल ने फूलों की खेती द्वारा किसानों को फसल विविधिकरण के बारे में अवगत कराया। कृषि विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ संयोजक डॉ. हरिओम ने उदाहरण देकर समझाया कि किस प्रकार से किसान खेती को आने वाले समय के खतरों जैसे मिट्टी की घटती उर्वरा शक्ति व घटते भूजल स्तर आदि से बचा सकते हैं। सस्य विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. एसएस पूनिया ने बताया कि धान की सीधी बिजाई से समय पर एवं सस्ती लेबर ना मिलने की समस्या से निजात मिल सकती है। धान की सीधी बिजाई से पानी की बचत भी होती है और सही तरह से फसल की देखभाल करने से पैदावार में कमी भी नहीं आती। सहायक वैज्ञानिक डॉ. करमल सिंह ने कपास फसल की विभिन्न सस्य क्रियाओं के बारे में जानकारी दी एवं डॉ. अनिल कुमार ने विभिन्न कीटों और विभिन्न बिमारियों के बारे में बताया। डॉ. उमा देवी ने खरीफ की दलहनी फसलों की विभिन्न सस्य क्रियाओं के बारे में और डॉ. सतपाल ने खरीफ की चारा फसलों क बारे में बताया। सूत्र कृमि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आरएस कंवर ने फसलों में सूत्र कृमि संबंधी प्रश्नों के उत्तर दिए और डॉ. अनिल यादव ने बाजरा फसल सम्बंधी व डॉ. विरेंद्र सिंह हुड्डा ने फसलों में खरपतवार नियंत्रण सम्बंधी प्रश्नों के उत्तर दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	10.03.2021	--	--

जल संरक्षण व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान : डॉ. अग्रवाल

एचएयू के दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले (खरीफ) का समापन, करीब 51 हजार किसानों ने किया पंजीकरण

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को जल संरक्षण व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी वहीं दूसरी ओर किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। ये विचार मेले के समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। मुख्यातिथि ने कहा कि हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है तथा इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर करती है। हरियाणा प्रदेश के अलग से अस्तित्व में आने के बाद प्रमुख फसलों के क्षेत्र एवं पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह सब किसानों एवं वैज्ञानिकों के सामूहिक प्रयास से ही सम्भव हो पाया है।

हरित क्रांति आने के बाद फसलों की पैदावार बढ़ने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का दोहन भी बढ़ा है जिसके कारण भूमिगत जल स्तर की कमी, अत्यधिक कीटनाशकों एवं रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग, जमीन की उर्वरा शक्ति का कम होना, फसल अवशेषों का जलाना आदि अनेक समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। इसके अलावा धान-गेहूं फसल चक्र के कारण भूमिगत जल स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है जो कि चिन्ता का विषय है। इस फसल चक्र के कारण हरियाणा के अधिकतर क्षेत्र डार्क जोन में परिवर्तित हो रहे हैं। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए किसानों से आह्वान है कि वे धान-गेहूं फसल चक्र में बदलाव करके फसल विविधीकरण अपनाएं।

कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली फसलें उगाएं किसानः प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का कार्यक्रम में ऑनलाइन रूप से शामिल होने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मेले के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे फसल विविधिकरण का अपनाकर न केवल अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं बल्कि भूमि की उर्वरा शक्ति को भी बचा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस बार मेले में करीब 51 हजार लोगों ने मोबाइल फोन के माध्यम से पंजीकरण करवाया। इसके अलावा करीब 3 लाख लोगों ने विश्वविद्यालय की साइट पर विजिट किया।

वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, लुवास के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. धर्मबीर सिंह सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, प्रशासनिक अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष, सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाँच बजे	10.03.2021	--	--

जल संरक्षण व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान : डॉ. अग्रवाल

एचएयू के दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले(खरीफ) का समापन, करीब 51 हजार किसानों ने किया पंजीकरण

पांच बजे ब्यूज

हिसार। गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को 'जल संरक्षण व फसल विविधिकरण' को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी वहीं दूसरी ओर किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। ये विचार मेले के समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। मुख्यातिथि ने कहा कि हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है तथा इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर करती है। हरियाणा प्रदेश के अलग से अस्तित्व में आने के बाद प्रमुख फसलों के क्षेत्र एवं पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह सब किसानों एवं वैज्ञानिकों के सामूहिक प्रयास से ही सम्भव हो पाया है। हरित क्रांति आने के बाद फसलों की पैदावार बढ़ने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का दोहन भी बढ़ा है जिसके कारण

भूमिगत जल स्तर की कमी, अत्यधिक कीटनाशकों एवं रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग, जमीन की उर्वरा शक्ति का कम होना, फसल अवशेषों का जलाना आदि अनेक समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। इसके अलावा धान-गेहूं फसल चक्र के कारण भूमिगत जल स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है जो कि चिन्ता का विषय है। इस फसल चक्र के कारण हरियाणा के अधिकतर क्षेत्र डार्क जोन में परिवर्तित हो रहे हैं। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए किसानों से आह्वान है कि वे धान-गेहूं फसल चक्र में बदलाव करके फसल विविधीकरण अपनाएं। मुख्यातिथि ने मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ-साथ किसानों, विस्तार एजेंसियों तथा अन्य कृषि विकास में भागीदार संस्थाओं को बधाई दी।

कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली फसलें उगाएं किसान : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का कार्यक्रम में ऑनलाइन रूप से शामिल होने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मेले के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे फसल विविधिकरण का अपनाकर न केवल अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं बल्कि भूमि की उर्वरा शक्ति को भी बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली फसलों को उगाना होगा, इसके लिए वे लगातार विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के संपर्क में रहें और यहां से विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों को अपनाएं। उन्होंने बताया कि इस बार मेले में करीब 51 हजार लोगों ने मोबाइल फोन के माध्यम से पंजीकरण करवाया। इसके अलावा करीब 3 लाख लोगों ने विश्वविद्यालय की साइट पर विजिट किया। कुलपति ने किसानों से अपील की कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर के बाजार को ध्यान में रखकर फसलों का उत्पादन करें व गुणवत्ता का ध्यान रखें ताकि उनको फसल का उचित मूल्य मिल सके और उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हो सके जिसके लिए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी भी निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे ऐसी किस्में विकसित करें जिनमें पोषक तत्व अधिक से अधिक हों। मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि इस मेले के सफल आयोजन में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा सरकार, इंडियन पोस्ट पेमेंट बैंक, हरियाणा कानूनी सहायता सहायता एजेंसी, हरियाणा व जिला प्रशासन का विशेष सहयोग रहा। उन्होंने सभी मुख्यातिथियों, वैज्ञानिकों, किसानों व अन्य सभी प्रतिभागियों का जो इस मेले में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हुए, सभी का धन्यवाद किया।

ये भी रहे कार्यक्रम में मौजूद

वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, लुवास के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. धर्मबीर सिंह सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, प्रशासनिक अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष, सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा टुडे	10.03.2021	--	--

राष्ट्रीय सेवा योजना से होता है चरित्र निर्माण : डॉ.देवेंद्र सिंह दहिया

हिसार | सिरसा टुडे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय वार्षिक शिविर का आयोजन गांव शाहपुर में किया गया। शिविर के प्रथम दिवस की शुरूआत हवन यज्ञ से की गई। कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे। सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहपुर के प्रधानाचार्य कैलाश चन्द्र सैनी गणमान्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना से विद्यार्थियों का न केवल चरित्र निर्माण होता है बल्कि सामाजिक छवि, व्यक्तित्व विकास, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास व नेतृत्व के गुणों का भी विकास होता

है। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. चन्द्रशेखर डागर तथा राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ममता व डॉ. पंकज वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्यातिथि ने स्वयंसेवको को राट्रीय सेवा तथा व्यक्तित्व विकास, चरित्र निर्माण तथा सकारात्मक सामाजिक छवि के निर्माण के लिए प्रेरित किया और पूरी मेहनत व लगन से इस शिविर का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। कैलाश चन्द्र सैनी ने मनुष्य को आत्मिक शांति प्रदान करने में सहायक ध्यान के विषय में विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु स्वयंसेवको को विभिन्न समूह में बांटा गया तथा इसके बाद स्वयं सेवकों ने पाठशाला परिसर की साफ-सफाई की। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. चन्द्रशेखर डागर ने स्वयंसेवकों को उनके शिविर के दौरान योगदान तथा भागीदारी के लिए सराहना की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	10.03.2021	--	--

अधिक पैदावार व आमदनी के लिए फसल विविधिकरण समय की मांग : डॉ. ए.के. सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 10 मार्च : हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है तथा इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर करती है। हरियाणा प्रदेश के अलग से अस्तित्व में आने के बाद फसलों का उत्पादन बढ़ा है तथा हरित क्रांति का उपयोग हरियाणा प्रदेश के किसानों ने सबसे ज्यादा करके देश के खाद्यान भंडार भरे हैं। हरित क्रांति के बाद प्रमुख फसलों के क्षेत्र एवं पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह सब किसानों एवं वैज्ञानिकों के सामूहिक प्रयास से ही सम्भव हो पाया है। हरियाणा में आज भी बहुत से किसान गेहूं-चावल की परम्परागत खेती कर रहे हैं जिससे उनको खेती से अधिक आमदनी नहीं हो पा रही है। खेत से अधिक पैदावार व आमदनी के लिए हमें परम्परागत खेती छोड़कर कृषि विविधीकरण को अपनाना होगा। उक्त विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. ए.के. सिंह ने बतौर मुख्यातिथि मेले के ऑनलाइन उद्घाटन अवसर पर कहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। मेले का मुख्य विषय 'फसल विविधिकरण' रखा गया है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मेले के विधिवत शुभारंभ पर मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए मेले की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमारे वैज्ञानिकों ने फसलों, फलों, सब्जियों व चारे का अधिक उत्पादन देने वाली, रोगरोधी व कम समय में पककर तैयार होने वाली लगभग 255 किस्मों का विकास किया है। प्रदेश में उन्नत बीज उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय हर वर्ष विभिन्न फसलों का करीब 19500 क्विंटल से अधिक उन्नत बीज पैदा करके राज्य के विभिन्न निगमों व किसानों को वितरित करता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक सवेरा....

दिनांक 12.3.2021....पृष्ठ संख्या....7....कॉलम....3-6....

हकृवि की एनएसएस इकाई का सात दिवसीय शिविर शुरू

हिसार, 11 मार्च (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय वार्षिक शिविर का आयोजन गांव शाहपुर में किया गया। शिविर के प्रथम दिवस की शुरुआत हवन यज्ञ से की गई।

कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेन्द्र सिंह दहिया बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे। सहायक छात्र कल्याण निदेशक डा. जीत राम शर्मा व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहपुर के प्रधानाचार्य कैलाश चन्द्र सैनी गणमान्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डा. चन्द्रशेखर डागर तथा राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डा. ममता व डा. पंकज वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डा. चन्द्रशेखर डागर ने स्वयंसेवकों को उनके शिविर के दौरान योगदान तथा भागीदारी के लिए सराहना की।

आयोजित शिविर के प्रथम दिवस पर हवन यज्ञ करते गणमान्य।

संतुलित आहार से कराया अवगत

कैम्प के दौरान अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना, गृह विज्ञान (खाद्य और पोषण विभाग) की नोडल अधिकारी डा. वीनू सांगवान ने संतुलित आहार के बारे में बताया। स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों के साथ विचार-विमर्श करते हुए उनकी जीवनशैली, रहन-सहन आदि के बारे में जानकारी हासिल की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 12...3...2021...पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम....4-6.....

'स्वच्छता अभियान चला किया कूड़े का निस्तारण'

हिसार, 11 मार्च (संदीप): चौ.चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्वच्छ भारत अभियान में योगदान दे रहा है। चंदन नगर स्थित विश्वविद्यालय के फार्म की जमीन पर पिछले कई वर्षों से विश्वविद्यालय का कूड़ा डाला जा रहा था। इसके निस्तारण के लिए उप संपदा अधिकारी अजीत सिंह की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के साथ आऊटसोर्सिंग के कर्मचारियों ने मिल कर एक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत कई टन कूड़े का निस्तारण किया गया।

सुबह 7 बजे से ही निस्तारण की प्रक्रिया शुरू हुई, जिसमें कई टन कूड़े का निस्तारण किया गया। विश्वविद्यालय में गैर शिक्षक संघ के उपप्रधान रामकीर्तन यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय में कूड़े के निस्तरण के लिए एक प्लांट बनाया गया है, जहां पर अब कूड़े का निस्तारण किया जाएगा।

विश्वविद्यालय की ओर से चलाए गए स्वच्छता अभियान के दौरान हौटिया प्रधान दिनेश कुमार, वरिष्ठ उपप्रधान तुलसी राम चौटाला, उपप्रधान रामकीर्तन यादव, डिप्टी सुपरटेड राजकुमार शर्मा, सफाई कर्मचारी

कूड़े का निस्तारण करते विश्वविद्यालय के कर्मचारी। (जागरण)

प्रधान दास कुमार बागड़ी, भवर लाल, ओमप्रकाश मेट सहित तमाम कर्मचारियों ने इस अभियान में अपना योगदान दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 11.3.2021 पृष्ठ संख्या 9 कॉलम 6-8

तकनीक से खेती • समन्वित खेती में प्रेरक बना भूरथला का किसान अजय

मशरूम की खेती से 6 माह में कमा रहे 3 लाख रुपए, जिला प्रगतिशील किसान अवॉर्ड मिला

20 साल पहले एक यूनिट से शुरू की थी मशरूम की खेती

किसान अजय खेती में करता है जैविक खाद का इस्तेमाल

अजय को जिला प्रगतिशील किसान अवॉर्ड से सम्मानित करते हुए।

भास्कर न्यूज़ | रेवाड़ी

रेवाड़ी के गांव भूरथला निवासी किसान अजय कुमार समन्वित खेती में जिला के किसानों के लिए प्रेरक बने हुए हैं। सीजनेबल मटर मशरूम की खेती से 6 माह में ही 3 लाख रुपए से ज्यादा की आय कर रहे हैं। अजय ने 20 साल पहले एक झोपड़े में एक यूनिट से मशरूम की खेती शुरू की थी व अब 6 यूनिट लगा रखी है। उनका प्रबंधन ऐसा है कि मशरूम के बाद उसी जगह में पोल्ट्री व्यवसाय शुरू कर देते हैं। इसके अलावा पशुपालन व मधुमक्खी पालन व्यवसाय को भी अपनाया हुआ है। इसी को देखते हुए 9 व 10 मार्च को संपन्न हुए दो दिवसीय किसान वर्चुअल मेले में केवीके बावल की ओर से समन्वित खेती में जिला स्तरीय प्रगतिशील किसान का भी अवॉर्ड दिया गया है।

किसान अजय ने बताया कि मशरूम के बाद जो कचरा निकलता है उसे वह खेत में ही डालता है। यह जैविक खाद का काम करता है। इससे फसल के उत्पादन में भी वृद्धि होती है। साथ ही गेहूं की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। उन्होंने बताया कि वह मधुमक्खी पालन व डेयरी व्यवसाय भी करता है।

मशरूम के लिए सोनीपत से ली ट्रेनिंग : उन्होंने बताया कि उनके गांव में वर्ष 1998 में एक किसान ने मशरूम की यूनिट लगाई थी। उसी से प्रेरणा लेकर सोनीपत के मुरथल स्थित संस्थान से ट्रेनिंग लेकर मशरूम की खेती शुरू की थी। उन्होंने बताया कि मशरूम के लिए अब खरीदार भी गांव में ही आ जाते हैं। 100 से 120 रुपए प्रति किलोग्राम तक बिक जाती है। जबकि पहले दिल्ली व गुड़गांव लेकर जानी पड़ती थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	10.03.2021	--	--

एनएसएस से विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण होता है : दहिया

हिसार/11 मार्च/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय वार्षिक शिविर का आयोजन गांव शाहपुर में किया गया। शिविर के प्रथम दिवस की शुरूआत हवन यज्ञ से की गई। कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डॉ देवेन्द्र सिंह दहिया बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे। सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ जीत राम शर्मा व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहपुर के प्रधानाचार्य कैलाश चन्द्र सैनी गणमान्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना से विद्यार्थियों का न केवल चरित्र निर्माण होता है बल्कि सामाजिक छवि, व्यक्तित्व विकास, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास व नेतृत्व के गुणों का भी विकास होता है। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ चन्द्रशेखर डागर तथा राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ ममता व डॉ पंकज वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्यातिथि ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा तथा व्यक्तित्व विकास, चरित्र निर्माण तथा सकारात्मक सामाजिक छवि के निर्माण के लिए प्रेरित किया और पूरी मेहनत व लगन से इस शिविर का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। कैलाश चन्द्र सैनी ने मनुष्य को आत्मिक शांति प्रदान करने में सहायक ध्यान के विषय में चर्चा की। स्वयं सेवकों ने पाठशाला परिसर की साफसफाई की। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ चन्द्रशेखर डागर ने स्वयंसेवकों को उनके शिविर के दौरान योगदान तथा भागीदारी के लिए सराहना की। कैम्प के दौरान गृह विज्ञान खाद्य और पोषण विभाग की नोडल अधिकारी डॉ वीनू सांगवान ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। इसलिए मनुष्य को अपने खानपान व सेहत पर विशेष ध्यान देना चाहिए। स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों के साथ विचार-विमर्श करते हुए उनकी जीवनशैली, रहन.सहन आदि के बारे में जानकारी हासिल की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एच आर ब्रेकिंग	10.03.2021	--	--

राष्ट्रीय सेवा योजना से होता है चरित्र निर्माण : डॉ.देवेंद्र सिंह दहिया

एचएयू की एनएसएस इकाई का सात दिवसीय शिविर गांव शाहपुर में शुरू

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय वार्षिक शिविर का आयोजन गांव शाहपुर में किया गया।

शिविर के प्रथम दिवस की शुरूआत हवन यज्ञ से की गई। कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे। सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहपुर के प्रधानाचार्य कैलाश चन्द्र सैनी गणमान्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना से विद्यार्थियों का न केवल चरित्र निर्माण होता है बल्कि सामाजिक छवि, व्यक्तित्व विकास, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास व नेतृत्व के गुणों का भी विकास होता है। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. चन्द्रशेखर डागर तथा राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ममता व डॉ. पंकज वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्यातिथि ने स्वयंसेवको को राष्ट्रीय सेवा तथा व्यक्तित्व विकास, चरित्र निर्माण तथा सकारात्मक सामाजिक छवि के निर्माण के लिए प्रेरित किया और पूरी मेहनत व लगन से इस शिविर का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। कैलाश चन्द्र सैनी ने मनुष्य को आत्मिक शांति प्रदान करने में सहायक ध्यान के विषय में विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु स्वयंसेवको को विभिन्न समूह में बांटा गया तथा इसके बाद स्वयं सेवकों ने पाठशाला परिसर की साफ-सफाई की। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. चन्द्रशेखर डागर ने स्वयंसेवकों को उनके शिविर के दौरान योगदान तथा भागीदारी के लिए सराहना की।

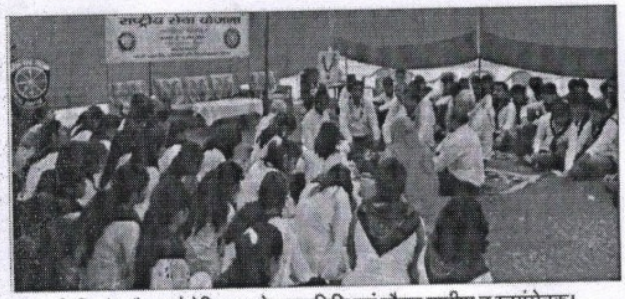

शिविर के दौरान संबोधित करते मुख्यातिथि एवं मौजूद ग्रामीण व स्वयंसेवक।

संतुलित आहार से कराया अवगत : कैम्प के दौरान अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना, गृह विज्ञान (खाद्य और पौषण विभाग) की नोडल अधिकारी डॉ. वीनू सांगवान ने संतुलित आहार के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। इसलिए मनुष्य को अपने खानपान व सेहत पर विशेष ध्यान देना चाहिए। स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों के साथ विचार-विमर्श करते हुए उनकी जीवनशैली, रहन-सहन आदि के बारे में जानकारी हासिल की। साथ ही ग्रामीणों को इस शिविर के बारे में जानकारी देते हुए इसमें बढ़चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 12.3.2021...पृष्ठ संख्या.....5.....कॉलम.....6.....

राष्ट्रीय सेवा योजना से होता है चरित्र निर्माण : डॉ. दहिया

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा शाहपुर गांव में सात दिवसीय वार्षिक शिविर की शुरूआत हवन से की।

कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया मुख्यातिथि के तौर पर शामिल हुए। सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहपुर के प्रधानाचार्य कैलाश चंद्र सैनी भी अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना से विद्यार्थियों का न केवल चरित्र निर्माण होता है बल्कि सामाजिक छवि, व्यक्तित्व विकास, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास व नेतृत्व के गुणों का भी विकास होता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. चंद्रशेखर डागर, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ममता, डॉ. पंकज वर्मा, अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना गृह विज्ञान की नोडल अधिकारी डॉ. वीनू सांगवान आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दैनिक जागरण .....

दिनांक 12.3.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5.....

एनएसएस शिविर से होता है चरित्र निर्माण : डा .देवेंद्र

शिविर के दौरान संबोधित करते मुख्यातिथि व मौजूद स्वयंसेवक। • विज्ञप्ति

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय वार्षिक शिविर का आयोजन गांव शाहपुर में किया गया। शिविर के प्रथम दिवस की शुरूआत हवन यज्ञ से की गई।

कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेन्द्र सिंह दहिया बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे। सहायक छात्र कल्याण निदेशक डा. जीत राम शर्मा व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहपुर के प्रधानाचार्य कैलाश चन्द्र सैनी गणमान्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना से विद्यार्थियों का न केवल चरित्र निर्माण होता है बल्कि सामाजिक छवि, व्यक्तित्व विकास, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास व नेतृत्व के गुणों का भी विकास होता है। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डा. चन्द्रशेखर डागर व राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डा. ममता व डा. पंकज वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। कैम्प के दौरान अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना, गृह विज्ञान (खाद्य और पौषण विभाग) की नोडल अधिकारी डॉ. वीनू सांगवान ने संतुलित आहार के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। इसलिए मनुष्य को अपने खानपान व सेहत पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 11.3.2021 पृष्ठ संख्या 9 कॉलम 7-8

एचएयू में बागवानी व सब्जियों की नर्सरी प्रबंधन पर प्रशिक्षण 16 से

प्रदेश के सभी जिलों से भाग ले सकेंगे किसान

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले रामधन सिंह बीज फार्म की ओर से आगामी 16 मार्च से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सात दिनों तक चलेगा। इस कार्यक्रम का विषय फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की तकनीक रहेगा। इस प्रशिक्षण में प्रदेश के सभी जिलों के किसान भाग ले सकेंगे।

रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि जो किसान इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेना चाहते हैं, वे फार्म भरकर रामधन सिंह बीज फार्म के लुदास रोड़ स्थित कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्क्रम समन्वयक डॉ. कृष्ण कुमार एवं डॉ. राजेश कथवाल होंगे। इन दोनों से ऑफिस टाइम के दौरान किया जा सकता है। इसके अलावा किसान अधिक जानाकारी पाने के लिए डॉ. राजेश कथवाल के मोबाइल नंबर 9812490456 पर भी संपर्क कर सकते हैं। सात दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया जाएगा। किसानों की मदद के लिए लगने वाले इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को मुख्य खेत फसलों के लिए बीज उत्पादन हेतु कुशल बनाना है जिससे किसान अपनी फसलों की उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी कर सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक किसानों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट से फार्म डाउनलॉड करके एक फोटो व आधार कॉपी के साथ कार्यालय में जमा करवाना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण........

दिनांक 11.3.2021...पृष्ठ संख्या.....3.......कॉलम.....7.....

बागवानी की नर्सरी प्रबंधन पर प्रशिक्षण 16 से

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार स्थित रामधन सिंह बीज फार्म की ओर से मुख्य खेत फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की तकनीकें विषय पर 16 मार्च से किसानों के लिए सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डा. रामनिवास ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 25 किसान भाग ले सकेंगे। जो किसान इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेना चाहते हैं वे अपना फार्म भरकर रामधन सिंह बीज फार्म के लुदास रोड स्थित कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्क्रम समन्वयक डा. कृष्ण कुमार एवं डा. राजेश कथवाल हैं, जिनसे कार्यालय समय में संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा डा. राजेश कथवाल के मोबाइल नंबर 9812490456 पर भी अधिक जानकारी के लिए संपर्क किया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 11.3.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....7.8.....

विवि में बने उत्पादों का स्वाद लेने के लिए लोग बेकरार

कोरोना काल में बंद किए गए एचएयू मार्ट के खुलने का इंतजार
विवि में बने बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पादों की यहां होती थी बिक्री

एचएयू में बना एचएयू मार्ट।

संदीप बिश्नोई

हिसार। एचएयू के गेट नंबर चार पर बना एचएयू मार्ट करीब एक वर्ष से बंद है। यहां के विद्यार्थी और शहर के लोग इस मार्ट के खुलने का इंतजार कर रहे हैं। जब यह वातानुकूलित मार्ट खुला था तो यहां सामान बेचने वाले विद्यार्थियों से लेकर हर शहरवासी ने इसकी तारीफ की थी।

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए बेहतर गुणवत्ता के उत्पादों की बिक्री स्वयं विद्यार्थी यहां पर करते थे। इससे न केवल विद्यार्थियों को मुनाफा होता था, बल्कि एक हिस्सा विवि प्रशासन को भी मिलता था। इसके साथ-साथ उत्पाद बनाने के कारण विद्यार्थियों में व्यावहारिक कौशल को बढ़ावा मिलता था और लोगों को अच्छी गुणवत्ता के उत्पाद यहां मिल जाते थे। कोरोना संकट के कारण पिछले वर्ष मार्च माह में विवि के साथ ही यह मार्ट भी बंद हो गया था। अब पिछले चार माह से विश्वविद्यालय तो चल रहा है, लेकिन मार्ट बंद है। शहर के लोग और विद्यार्थी इस मार्ट के खुलने का इंतजार कर रहे हैं।

ये उत्पाद मिलते थे यहां

उपभोक्ता एचएयू मार्ट पर विश्वविद्यालय व किसानों द्वारा निर्मित विभिन्न खाद्य एवं पेय पदार्थ जैसे केक, मुफीन, बाजरा बिस्कुट, बेल स्कवैश, मैंगो आरटीएस ड्रिंक, आंवला कैंडी आदि उत्पाद मिलते थे। इनके अलावा ऑर्नामेंटल प्लांट्स, इंडोर प्लांट्स, हैंगिंग बास्केट, खाद, जैविक खाद-कंपोस्ट, बीज, बेडशीट, कुशन कवर, बैग आदि भी इस मार्ट पर उपलब्ध करवाए जाते थे।

योजना के तहत उत्पाद बनाकर बेचते थे विद्यार्थी

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में कुल 13 सीखो और कमाओ कार्यक्रम (ईएलपी) चल रहे हैं। इनमें विश्वविद्यालय के 350 विद्यार्थी जुड़े थे। इन विद्यार्थियों को वस्तुओं की खरीद से लेकर, पैकेजिंग, भंडारण और उत्पादों की बिक्री तक और उत्पादन इकाई की स्थापना के लिए प्रशिक्षित किया जाता था। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वातानुकूलित एचएयू मार्ट का उद्घाटन किया था।

> कोविड संकट के चलते मार्ट बंद किया गया था। अब इसे दोबारा खोला जाएगा। जल्द ही इसे आमजन के लिए फिर से खोल दिया जाएगा ताकि विद्यार्थी और शहर की जनता दोनों को इसका लाभ मिल सके।
>
> - प्रो. समर सिंह, कुलपति, एचएयू हिसार।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक भास्कर....

दिनांक 11.3.2021 पृष्ठ संख्या 9 कॉलम 1-5

खेती बाड़ी • एचएयू में देशभर के किसानों को उन्नत फसल उगाने की राय दे रहे वैज्ञानिक

एचएयू ने 51 साल में किसानों के लिए विकसित की 255 फसलों की उन्नत किस्म, 17 नई तकनीकों को मिला पेटेंट

महबूब अली | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय देशभर के किसानों को फसलों की उन्नत किस्में उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभा रहा है। पिछले 51 वर्षों में यहां के वैज्ञानिकों ने गेंहू, सरसों, जौ आदि की 255 उन्नत किस्म तैयार की है। साथ ही विश्वविद्यालय ने 17 नई तकनीकों का पेटेंट भारतीय पेटेंट ऑफिस में करवाया है। इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च (आईसीएआर) के अधिकारियो ने एचएयू के वैज्ञानिको की सराहना की है।

एचएयू के कुलपति प्रो समर सिंह ने बताया कि विवि के वैज्ञानिकों ने फसलों, फलों, सब्जियों व चारे की अधिक उत्पादन देने वाली, रोगरोधी व कम समय में पकने वाली 255 किस्मों का विकास किया है। विश्वविद्यालय ने 19500 क्विंटल से उन्नत बीज पैदा कर विभिन्न निगमों व किसानों को वितरित करता है। विश्वविद्यालय ने शोध कार्यक्रमों को बढ़ावा देने तथा कृषि की लाभकारी तकनीकों के व्यावसायीकरण के लिए अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर 527 द्विपक्षीय समझौते किए हैं। विश्वविद्यालय ने 43 नई तकनीकों पर पेटेंट लेने के लिए भारतीय पेटेंट आफिस में आवेदन किया हुआ है जिनमें से 17 तकनीकों का पेटेंट हो चुका है। उन्होंने बताया कि देश के खाद्यान भंडारण में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। हरियाणा देश का 60% बासमती निर्यात करता है। उन्होंने ने बताया कि विवि के वैज्ञानिक गेंहू, जौ, सरसों समेत विभिन्न नई क़िस्म तैयार करने में जुटे है। विश्वविद्यालय में किसानों को फसलों की बुवाई के बारे में भी समझाया जा रहा है।

जानिए... एचएयू द्वारा विकसित किस्मों की खासियत

- **गेंहू : डब्ल्यूएच 1270 :** एचएयू के वैज्ञानिकों ने गेहूं की उन्नत किस्म (डब्ल्यूएच 1270) विकसित की है। इस किस्म की पैदावार अधिक होने के साथ ही इसके आटे की चपातियां भी स्वादिष्ट लगेंगी।
- **जेई : ओएस 405 व 424**
हरे चारे की उत्पादकता अन्य किस्मों से 10% अधिक है। इन किस्मों में अन्य की तुलना में प्रोटीन अधिक है, जो पशु के दुग्ध उत्पादन में बढ़ोतरी करती है। ये किस्में उत्पादन व पोषण की दृष्टि से बेहतर हैं। हरे चारे के लिए प्रसिद्ध किस्म कैंट और ओएस 6 की तुलना में 10% अधिक हरा चारा मिलता है। ऐसे ही उक्त किस्मों की तुलना में सुखे चारे की पैदावार भी 11 प्रतिशत तक अधिक है।
- **सरसों : आरएच 725 किस्म**
इसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक है। इसकी पैदावार 25 से 26 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। इसमें तेल की मंत्रा मात्रा भी 40 प्रतिशत से अधिक है।
- **मूंग : एमएच 1142 रोग प्रतिरोधी :** यह किस्म अब तक उपलब्ध किस्मों से भी 20 प्रतिशत तक अधिक उत्पादन देगी। साथ ही एक ऐसी किस्म जो देश में पहले से अधिक भूभाग पर उगाई जा सके तो सोने पे सुहागा होगा। इसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी अधिक है। इसमें 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक पैदावार प्राप्त की जा सकती है।

यहां से शुरू हुआ था एचएयू का सफर

जब हरियाणा संयुक्त पंजाब का हिस्सा होता था उस समय लुधियाना में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय होता था। एक नवंबर 1966 को हरियाणा और पंजाब के अलग राज्य बनने के बाद 2 फरवरी 1970 को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। तब से ही यह विश्वविद्यालय अपनी पहचान बना रहा है।